तनधारी जग में अवधु कोई नहीं सुखिया रे

तनधारी जग में अवधु,

दोहा- कोई तन दु:खी,
कोई मन दुखी,
थोड़े थोड़े सब दुखी,
सुखी राम को दास।

तनधारी जग में अवधु,
कोई नहीं सुखिया रे,
जन्म लियोड़ा सब दुखिया रे।bd।

ब्रम्हा भी दुखिया अवधु,
विष्णु भी दुखिया रे,
दुखिया दसो अवतारा रे,
तनधारी जग में अवधू,
कोई नहीं सुखिया रे,
जन्म लियोड़ा सब दुखिया रे।bd।

धरती भी दुखिया अवधु,
अम्बर भी दुखिया रे,
दुखिया पवन पानी रे,
तनधारी जग में अवधू,
कोई नहीं सुखिया रे,
जन्म लियोड़ा सब दुखिया रे।bd।

राजा भी दुखिया अवधु,
प्रजा भी दुखिया रे,
दुखिया सकल संसारा रे,
तनधारी जग में अवधू,
कोई नहीं सुखिया रे,
जन्म लियोड़ा सब दुखिया रे।bd।

शरणे मंछन्दर जति,
गोरख बोले रे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

रामजी भजे वो ही सुखिया रे,
तनधारी जग में अवधू,
कोई नहीं सुखिया रे,
जन्म लियोड़ा सब दुखिया रे।bd।

Singer – Prakash Mali Ji
Upload By – BHAVESH JANGID
8769242034

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com